DARKMAGIC
DM
COMICS

#-१

इला के कारनामें

भाग एक –: ओ.डी.

इला

रोज की तरह इरा आज भी कोचिंग के लिए लेट हो गई थी।

परिकल्पना-: सूरज मालवीय

लेखक -: अरविंद कुमार यादव

चित्र-: सूरज मालवीय

रंगसज्जा-: पासंग अमृत लामा

शब्दांकन-: संजय यादव (संजु)

संपादक-: अरविंद कुमार यादव , ऋषभ राज व टीम

#2

ओ तेरी !
आज भी लेट ।
(हफ्फ्फ)

आज फिर वो
मोटी भैंस अपना सारा गुस्सा
मेरे ऊपर ही निकालेगी ।
(हम्म्फ्फ)

हम्म्फ्फ

पर अपने
को क्या ?
रोज की तरह
आज भी सुन
लेंगे, हीहीही ।

हम्म्फ्फ्फ

तभी

बड़ाम

ओह !
ये क्या था?

2020-1-6 13:

अरे ये कैसी आवाज थी ?

उस अनजान आवाज से इरा का ध्यान भटका और..

उफ्फफ..

धड़.

आह !

..वह एक बड़े पत्थर से जा टकराई...

..और टकरा कर जमीन पर जा गिरी।

वह गेंद की तरह टप्पा खाते हुए नीचे लुढ़कते हुए चली गई।

आइ

उफफफ ढव्व

उइइइ भड्डूड

हम्फफफ

उई

धाप्प।

अंत में जाकर वह एक जगह रुक गई।

हम्फफफ

हाय !
मर गई आज
तो (बूहूहू)।

तभी सामनें दिखा उसे वह नजारा।

हे भगवान !
ये क्या चीज है?

हाय ?

#6

इरा उस अनजान डिवाइस को उत्सुकता से टटोलनें लगी।

ये क्या चीज है?

इसी बीच अन्जाने में उसके हाथ से डिवाइस का एक बटन दब गया और..

ओफ्फफफ।

...उस अन्जान डिवाइस नें अचानक इरा पर अपना प्रभाव डालना शुरू कर दिया।

हे भगवान बचाओ , ये क्या हो रहा हैं ?

उस अचानक हो रहे परिवर्तन नें इरा को बहुत डरा दिया।

मम्मी !
भागो, भ.....भूत।

वह डर के मारे अपनी साईकिल की तरफ दौड़ी....

अबे छोड़ दे
मुझे , आखिर हैं क्या
तू ? (हम्फफफ)

उसनें अपनी साईकिल उठाई...

भाग इरा जल्दी
भाग... वरना आज तेरा
राम नाम सत्य ही समझो।
(हम्फफ)

..और वहाँ से तेजी से चल दी।

किसी ओझा
के पास जाना होगा
जल्दी (बूहूह)।

लेकिन तभी अचानक....

उफ्फ्फ्फ्फ।

हाय ?

वह हवा को चीरते हुऐ राकेट की गति से आगे की तरफ बढ़ चली।

ईईईईईई।

धड़ाम

ईईईईई

कुछ ही पलों में इरा शहर के दूसरी तरफ पहुँच चुकी थी।

धुररररररर

लेकिन तभी...

भड़ाक

उईईईई।

अपनें साईकिल के पुर्जो को लेके वह पैदल ही चल पड़ी।

उसनें देखा साईकिल राख हो चुकी थी।

ये भगवान , मेरी इकलौती साईकिल , अब घर जाके क्या जवाब दूंगी ,(बूहूहू)।

इस कबाड़ को किसी कबाड़ी वाले को बेच करमिले पैसे से किसी टैक्सी से घर जाना पड़ेगा अब तो।

उस गठ्ठर को घसीटते हुऐ इरा किसी तरह शहर में फिर लौटी।

अब यहाँ कबाड़िये को कहाँ ढूँढू।

तभी....

भागो

बचाओ

हाँय ! ये कैसी आवाजें हैं ?

इरा उस आवाज की तरफ चल पड़ी।

भागो।

लगता है कुछ भारी गड़बड़ है।

अरे कोई बचाओ।

कुछ ही क्षण में इरा घटनास्थल के करीब पहुँच चुकी थी।

अरे बाप रे ! ये सब क्या हो रहा है ? ये दोनों नमूने कौन है जो सारा कचरा ही चट किए जा रहे है?

(यम्म यम्म) अबे यार गैरन, आज तो मजा ही आ गया।

अबे क्या स्वादिष्ट चीज है ये, ये तो हमारे यहाँ मिलता ही नहीं।

सामनें का नजारा देख इरा चौंक पड़ी ....

यम्म्म यम्म्म ।

छिः..... ये तो कचरा खा रहे हैं । कौन हैं ये कार्टून ?

हे ...! हुश...!

कौंन है बे ? किस चिर्कुण्डे की इतनी हिम्मत हुई जो हमारे सामनें चिल्लाए ।

वो रही वह लड़की ।

क्यों री झापडूमल ? कौंन है तू । तेरे को हमसे डर नहीं लगता ?

द... देखो , च.. चले जाओ यहाँ से वरना अ ... अच्छा नहीं होगा ।

अबे वो देख इसके हाथ में क्या है ?

ये तो ओमेगा डिवाइस है। इसके पास कैसे ?

ओए लड़की, चल जल्दी से तेरे हाथ में लगी वह डिवाइस हमें सौंप दे।

ऐसे नहीं मानेगी।

नहीं मैं मान गई , आके ले लो (बूहूहू)।

स्वीच

धड़

आई sss मर गया।

ओ तेरी....
य...ये क्या था ?

हे... हे भूत
बाबा , छोड दो मुझे ,
निकल जाओ मेरे अंदर
से (बूहूहू)।

ओए लड़की !
बस बहुत हो गया। तू ऐसे नहीं
मानेगी। तुझे अब बताना ही पड़ेगा
की आखिर हम हैं कौन।

क्या
बेइज्जती हुई आज
सैरन की (हीहीही)।

अरे !
मैनें कुछ नहीं
किया ।

हाय अब क्या
करुँ ? ये दोनों अब मुझे
नहीं छोड़ेंगे।

कुछ भी हो अब
बचनें की कोशि..श.... अरे !
वाह क्या बात है ? एक भी गोली मुझे
छू नहीं पा रही। मजा आ गया।

ओए ये क्या,
ये दो कौड़ी की लड़की
मेरे वार से बच कैसे पा
रही है ?

(हीहीही)
डबल बेइज्जती

अबे इसपर एक साथ वार करते हैं। देख नहीं रहा इसके हाथ में ओमेगा डिवाइस है। इस पर आसानी से काबू नहीं कर सकते।

सही कह रहा है तू। चल इसकी खटिया खड़ी करते हैं मिलके।

अब नहीं बचेगी तू।

हीययया

ओह ! तो ये सब इस डिवाइस की करामात है। इसका मतलब मैं फालतू में भूत से डर रही थी। देखूँ तो ये और क्या-क्या कर सकती है ?

अबे आगे देख।

देख रहा हूँ।

बूम बूम बड़ाम

ओ तेरी।

ये तो कमाल हो गया। (हीहीही)।

इरा के उस जबरदस्त वार से दोनों घायल होके दूर जा गिरे।

हाय अम्मा !

उईईई

और फिर सैरन का हथियार उसी के सिर पर आ गिरा।

भड़ाक

आह

अरे कौन है ये लड़की जो इन खूँखार दरिंदों से अकेले लड़ रही है ?

इस जोरदार मुकाबले को देखनें के लिए वहाँ भीड़ इकठ्ठा हो गई।

और.. और इसके अंदर भी ना जाने कैसी शक्तियां हैं जिसके सामने ये दोनों नहीं टिक पा रहे हैं ?

इधर सैरन और गैरन की हालत और पतली होनें वाली थी।

ओए सैरन ! अब क्या करें बोल बे ?

धुप्पाक

उम्मम

मैं बताती हूँ।

भड़ाक

तू भी लें।

आईईईई !

धड़ाक

भड़ाक

उइइ !

और फिर इरा नें जड़ा एक जोरदार पंच.....

भड़ाक

हाय मम्मी, मर गया रे आज तो।

अहहह

हाहाहा ! मजा आ गया। मारो-मारो.... और मारो।

क्यों बे ? बड़ा आया , हमको धमका रहा था ? यहाँ से निकल जा वरना मार-मार के.....

आआईईई
मम्मी बचाओ ऽऽ

भड़ाक

अबे हट।

इधर गैरन की शामत आई हुई थी।

धाड़

आह

बोल तेरे
साथ क्या सुलूक
किया जाय ?

छोड़ दिया
जाय बूहूहू।

तभी...

रुक जा ! ! !

सैरन नें कुछ लोगों को बंदी बना लिया था।

रुक जा लड़की वरना
इन लोगों को मारने से मुझे
तू नहीं रोक पाएगी।

ओह नहीं ,
रुक जाओ उन्हें कुछ
मत करना।

शाबास
सैरन !

अब वह तेरे हाथ में जो डिवाइस बंधी है उसे चुप-चाप हमें दे दे और हम यहाँ से बिना किसी को नुकसान पहुँचाए चलें जाएंगे।

ठ...ठीक है , लेकिन मैनें इसे निकालने की बहुत कोशिश की पर यह निकल नहीं रहा।

तभी गैरन बोल उठा....

तो फिर मैं निकालता हूँ। सैरन ! ! !

ये ले और जल्दी कर।

इरा नें वह हाथ गैरन की तरफ कर दिया जिसमें डिवाइस बंधी हुई थी।

ईईईईई..... आराम से।

डर मत , हमें बस तेरा यह डिवाइस चाहिए। तेरा हाथ नहीं काटुंगा (हीहीही)।

ओए ये तो कट ही नहीं रहा।

चिर्र

सैरन ! ! !

ओ तेरी , टूट गई ?

कड़ाक

ये ले।

बूऽऽऽऽऽ

ये ले
(हम्मफ)

हाईईई।

कड़ाक

सैरनऽऽऽ

ये ले।

सैरन के सारे हथियार बेकार साबित होते जा रहे थे।

फिर

कड़ाक .....

अबे ये
ले, (हम्म्फ्फ्फ)

पर ये अभी हार मानने के
मूड में नहीं लग रहे थे।

कड़ कड़ाक बूओम्म

सैरनऽऽ

अरे यार , ले .... ये भी ले (उम्म्फ) ।

सैरन की सहनशक्ति जवाब दे गई थी ।

बड़ाम

अबे गैरन के बच्चे, क्या कर रहा है तब से? मैं देखता हूँ अब इसे ।

सैरन यह सब देख-देख कर थक चुका था ।

अबे वह तो हमें छोड़ कर आगे की तरफ जा रहा है ।

देख क्या रहे हा, भागोऽऽ

पर गैरन अभी भी डटा हुआ था ।

सैरनऽऽऽ और ला ।

सैरन का पारा सातवें आसमान पर पहुँच गया था ।

धाड़

अभी देता हूँ..... ये ले ।

उईईईई

उम्म्म

ये ले , और ले ।

ओए , ये तो आपस में ही भिड़ गए ।

धाड़ भड़ाक

अबे तेरी तो .... रुक।

ये ले (हम्म्फ्) ।

एक मिनट !

आंय।

पहले मुझसे निबटो।

धाड.

आई sss

हाए मर गया रे।

बचाओ

ओए गैरन , अगर और नहीं पिटना चाहता तो निकल ले यहाँ से। डिवाइस तो फिर कभी ले लेंगे।

हाँ बे ,जान बची तो लाखो पाए।

तो देर किस बात की ? दबाते हैं ये बटन और हो जाते हैं **ट्रांसमिट**।

धुलाक

इससे पहले कि इरा कुछ समझ पाती ...

अरे , कहाँ गायब हो रहे हैं दोनों ?

..दोनों वहाँ से ट्रांसमिट हो गए और..

जा पहुँचे अपनें उस यान में जिससे वह आए थे।

जल्दी कर सैरन , वरना इसका कोई भरोसा नहीं , ये सब कुछ तोड़ के अंदर आ जाएगी।

हाँ बे कर रहा हूँ। अकेला तू ही नहीं है जिसे डर लग रहा है ,(बूहूहू)।

देखते ही देखते वह यान उड़ चला।

अरे ये तो भाग रहे हैं। अगर इन्हें नहीं रोका तो ये फिर से आकर तबाही मचाएंगे।

बड़ाम

ALERT...

ALERT...

ओए ये क्या हुआ ? कुछ गड़बडी आ गई है लगता है। अब क्या होगा ? अब इसमें तो पता ही नहीं चल रहा कि हम आखिर जा कहाँ रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मैप खराब हो गया लगता है।

अबे ये क्या कर दिया तूने ? ये फ्लैश बटन क्यों दबाया ?

अरे पहले इस मुसीबत से बचते हैं। आगे का देखा जाएगा।

वे दोनों इरा की पहुँच से बहुत दूर जा चुके थे।

उफ्फ्फ, बच गए।

चलो ये जब आएंगे तब की तब देखेंगे।

पर अब मैं खुद का क्या करूँ? ये क्या हो गया है मेरे साथ?

हे भगवान क्या करूँ? कहा जाउँ? एक मिनट! मुझे सबसे पहले युग भईया के पास जाना चाहिए। एक वही मुझे इस मुसीबत से छुटकारा दिला सकते हैं।

और इस आफत का क्या करूँ? इसे तो वे दोनों कार्टून तक नहीं निकाल पाए।

जारी है अगले भाग में...

अंतरिक्ष से बढ़ चली है एक भीषण आपदा पृथ्वी की ओर...

क्या इरा बचा पाएगी अपने लोगों को इस भयानक आपदा से ?

या फिर ये आपदा तहस-नहस कर देगी पूरी पृथ्वी को...

जानने के लिए पढ़िए डार्क मैजिक कॉमिक्स की अगली धुंआधार पेशकश...

इरा के कारनामें

भाग दो—: अंतरिक्ष का हमला

डार्क मैजिक कॉमिक्स में जादूगर चिंटू के बचपन की अठखेलियों से भरी हुई गुदगुदाती कॉमिक....

देख फुल्लन, वो रही तेरी वो..

फमझ गया उ**फ्**ताद। पर उ**फ**में **फे** मेरी वाली कौंन **फी** होगी ??

मैं इस मोटे को छोडुंगा नहीं।

अबे मेरी वाली को बोल रहा है मोटा, (गुर्र)।

मैं क्या बोलू ? मैं तो खुद ही अपनी वाली के पीछे पड़ा हूँ, (बूहूहू)।

...जादूगर चिंटू

भाग एक-: फुल्लन को सबक

Comming soon....

लेखक-: इंदरप्रीत पाल सिंह
एडिटर-: चेतन सिंह
आर्ट-: एम(M)
कलर-: पासंग अमृत लामा

ब्लैक बोर्ड

नमस्कार बंधुओं,

ब्लैक बोर्ड के प्रथम संस्करण में आपका स्वागत है। आशा है कि सुपर गर्ल इरा के कारनामों ने आपको रोमांचित अवश्य किया होगा। यह तो एक शुरुआत है और इरा के कारनामें इतनी जल्दी खत्म भी नहीं होने वाले। कहानी अगले अंक में जारी रहेगी और हमारे ब्लाग पर ही रिलीज होगी वह भी बिल्कुल मुफ्त ।

कहानी से इतर बात करें तो 'डार्क मैजिक कॉमिक्स' एक नई कॉमिक्स कंपनी है जो पाठकों को मुफ्त कॉमिक्स उपलब्ध कराने के साथ ही 'कंटेंट क्रिएटिंग' और 'कंटेंट डेवलपमेंट' के क्षेत्र में भी काम करेगी। इस काम को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कलाकारों और लेखकों की टीम मिलकर काम कर रही है। मित्रों, जैसा कि आप सब को पता है कि भारत ने पिछले कुछ सालों में भारतीय कॉमिक्स की दुर्गति होते देखी है जो कि अत्यंत दुखदायक है। जले पर नमक तो यह है कि नई पीढ़ी इस पीड़ा से भी अनजान है क्योंकि बहुत बच्चों ने कॉमिक्स को देखा भी नहीं है। इस समस्या से निजात पाने के लिए ढेरों प्रयास किए गए जिसका परिणाम छोटी-छोटी कॉमिक्स कंपनियों का उभरना था। पर यह तूफान जिस वेग से आया था उसी वेग से ठहरता दिख रहा है। इसके कई कारण हैं जिसकी चर्चा अगले किसी 'ब्लैक बोर्ड' में करेंगे। गौरतलब है कि 'डार्क मैजिक कॉमिक्स' की मंशा इन्हीं कंपनियों के साथ मिलकर अपने कलाकार और लेखकों की टीम की क्रिएशंस को धार देकर पाठकों को एक निश्चित अंतराल पर कॉमिक्स मुहैया कराने की है।

आशा है कि शुरुआती गिलहरी प्रयास बाद में भीमकाय साबित होंगे। मिलते हैं अगले अंक के अंतिम पन्नों में।

धन्यवाद।

टीम डार्क मैजिक कॉमिक्स